Dr Anshu Pandey
Assistant Professor
History department

Unit–2 :
नए राष्ट्रों का उदय (Rise of New Nations)

इटली का एकीकरण

एकीकरण से पूर्व इटली की राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति

इटली भौगोलिक और सांस्कृतिक दृष्टि से एक था, किंतु राजनीतिक रूप से अत्यंत विभाजित। उत्तरी इटली पर ऑस्ट्रिया का प्रभुत्व था, मध्य इटली पोप के अधीन था तथा दक्षिणी इटली पर बोरबोन वंश का शासन था। विदेशी शासन, आर्थिक पिछड़ापन और निरंकुश राजतंत्र ने इटलीवासियों में असंतोष उत्पन्न किया।

इटली में मध्यवर्ग का उदय हो रहा था, जो व्यापार, उद्योग और शिक्षा से जुड़ा था। यही वर्ग राष्ट्रीय आंदोलन का प्रमुख आधार बना।

(क) एकीकरण से पूर्व इटली की स्थिति

इटली भौगोलिक और सांस्कृतिक एकता के बावजूद राजनीतिक रूप से विभाजित था। ऑस्ट्रिया का उत्तरी इटली पर प्रभुत्व था। पोप राज्यों, नेपल्स और सिसिली जैसे क्षेत्र अलग-अलग शासन में थे।

(ख) इटली के एकीकरण की वैचारिक पृष्ठभूमि

राष्ट्रीयता, उदारवाद और स्वतंत्रता के विचारों ने 'रिसॉर्जिमेंटो' आंदोलन को जन्म दिया। इसका उद्देश्य विदेशी शासन का अंत और राष्ट्रीय एकता की स्थापना था।

3. इटली के एकीकरण में प्रमुख नेताओं की भूमिका

(क) काउंट कैवूर की भूमिका

कैवूर सार्डिनिया-पिडमोंट का प्रधानमंत्री था। वह कुशल कूटनीतिज्ञ और व्यावहारिक राजनीतिज्ञ था।
फ्रांस की सहायता से ऑस्ट्रिया को पराजित किया।
उत्तरी इटली के राज्यों को पिडमोंट में विलय कराया।
प्रशासनिक और आर्थिक सुधार किए।

(ख) मैजिनी की भूमिका

ज्यूसेपे मैजिनी एक क्रांतिकारी विचारक था।
'यंग इटली' आंदोलन की स्थापना।
गणतंत्रात्मक आदर्शों का प्रचार।
राष्ट्रीय चेतना के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान।

(ग) गैरीबाल्डी की भूमिका

गैरीबाल्डी एक महान सैनिक और जननेता था।
'रेड शर्ट्स' के साथ सिसिली और नेपल्स पर विजय।
दक्षिणी इटली को एकीकरण की प्रक्रिया में शामिल किया।
अपनी विजय को राजा विक्टर इमैनुएल द्वितीय को सौंपा।

(घ) इटली का पूर्ण एकीकरण

1861 में इटली को एक राष्ट्र घोषित किया गया। 1870 में रोम को राजधानी बनाकर एकीकरण पूर्ण हुआ।

(ङ) महत्व

इटली एक आधुनिक राष्ट्र-राज्य बना।
यूरोपीय राजनीति में शक्ति संतुलन बदला।